2) बंगाल का प्रशासन

1. बंगाल | Bengal → बंगाल + बिहार + उड़ीसा | Bengal + Bihar + Orissa

2. बंगाल का प्रशासन | Administration of Bengal

मुगल प्रांत | Mughal province → बादशाह औरंगजेब | Emperor Aurangzeb

बंगाल | Bengal

- सूबेदार | Subedar → अजीमुशान | Azimushan
- दीवान | Diwan → मुर्शिदकुली खां | Murshidkuli Khan

फर्रुखसियर ने सूबेदार नियुक्त किया | Farrukhsiyar appointed Subedar

बंगाल में वंशानुगत शासन | Hereditary rule in Bengal

मुर्शीदकुली → अलीवर्दी खान → सिराजुद्दौला → मीर जाफर → मीरकासिम → नज़्मउद्दौला → मुबारक उद्दौला (1770-75)

2) Administration of Bengal

1. Bengal → Bengal + Bihar + Orissa

2. Administration of Bengal ↓

Mughal province → Emperor Aurangzeb

↓

Bengal

- Subedar ↓ Azimushan
- Diwan ↓ Murshidkuli Khan ↓ Farrukhsiyar appointed Subedar ↓ Hereditary rule in Bengal ↓

Murshidkuli → Alivardi Khan → Siraj-ud-daula → mir jafar → Mir kasim → Nazm-ud-daula → Mubarak-Ud-daulah (1770-75)

3) बंगाल के प्रमुख नबाव

3.1) मुर्शिदकुली खां

1) मुगल बादशाह (फर्रुखसियर) द्वारा नियुक्त बंगाल का अंतिम सूबेदार तथा बंगाल के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक

2) निम्न सुधारों के द्वारा बंगाल को समृद्ध बनाया :-

- ‡ जमीदारों के विद्रोह (गुलाब मोहम्मद, उदयनारायण) को कम करने हेतु राजधानी ढ़ाका से मुर्शिदाबाद स्थान्तरित की
- ‡ छोटे जमीदारों से भूमि लेकर, खालसा भूमि में परिवर्तित किया
- ‡ किसान हेतु ऋण (तकाबी ऋण) व्यवस्था
- ‡ इजारेदारी व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण (ठेके पर भूराजस्व बसूलना)
- ‡ अंग्रेजों के शाही फरमान से समस्या होने के बाद भी विरोध नहीं

NOTE

1727 ई में मुर्शीदकुली खां की मृत्यु के पश्चात उसका दामाद शुजाउद्दीन बंगाल का नवाब बनना। 1739 में शुजाउद्दीन की मृत्यु के बाद पुत्र सरफराज खां बंगाल का नबाव बना

3.2) अलीवर्दी खां

1) सरफराज को 1740 में गिरिया के युद्ध में पराजित करके बंगाल का नबाव बना

2) मुख्य कार्य :-

- ‡ मुगल सम्राट मोहम्मद शाह से पद की स्वीकृति लेने के बाद राजस्व भेजना बन्द किया
- ‡ अंग्रेजों का विरोध नहीं
- ‡ 15 वर्षों तक मराठा संघर्ष में व्यस्त, अंततः मराठों को उड़ीशा दिया

3) Major Nawabs of Bengal

3.1) Murshidkuli Khan

1) Last subedar of Bengal appointed by the Mughal emperor (Farrukhsiyar) and founder of the independent state of Bengal.
2) Made Bengal prosperous by the following reforms:-
   - ‡ To put down the revolt of the zamindars (Gulaab Mohammad, Udayanarayan) capital was shifted from Dhaka to Murshidabad.
   - ‡ Took land from small zamindars, converted it into Khalsa land
   - ‡ Loan System for Farmer (Taqabi Loan)
   - ‡ Strengthening of monopoly system (recovery of land revenue on contract)
   - ‡ Despite the problem with the royal decree of the British, there was no protest

NOTE

After the death of Murshidkuli Khan in 1727, his son-in-law Shujauddin became the Nawab of Bengal. After the death of Shujauddin in 1739, son Sarfaraz Khan became the Nawab of Bengal.

3.2) Alivardi Khan

1) Defeated Sarfaraz in the Battle of Giria in 1740 and became the Nawab of Bengal.
2) Major work:-
   - ‡ After taking the approval of the post from the Mughal Emperor Mohammad Shah, he stopped sending the revenue.
   - ‡ Did not oppose the British
   - ‡ Engaged in Maratha war for 15 years, finally gave Orissa to Marathas

3) प्रमुख कथन :-

- अंग्रेजों की तुलना मधुमक्खी के छत्ते से करते हुए कहा था कि "यदि उन्हें छोड़ दिया जाए तो वो हमें शहद देंगे और यदि उन्हें छेड़ दिया जाए तो बो काट काट कर मार डालेंगे"
- सिराजुद्दौला को यह सलाह दी थी कि "वह अंग्रेजों पर कभी भी विश्वास न करे और जैसे ही मौका मिले उन्हें बंगाल से निकाल दे"
- "इस समय तो धरती पर लगी आग बुझाना भी कठिन है, यदि समुद्र से भी आग की लपटें निकलने लगी तो उन्हें कौन शांत कर सकेगा"

3.3) सिराजुद्दौला (1756-57)

1) अलवर्दी खां के बाद परिवार में पुनः उत्तराधिकारी षड्यंत्र हुआ, जिसका परिणाम

- अलवर्दी खां की छोटी बेटी का बेटा सिराजुद्दौला नबाव बना
- सिराज के शत्रु
  - मौसी घसीटी बेगम
  - राजवल्लभ
  - शौक़तजंग (पूर्णिया का नबाव)
- अन्य विद्रोही
  - मीर जाफर (सेनापति)
  - रायदुर्लभ (दीवान)
  - जगतसेठ (व्यापारी)
  - अमीरचंद (बेंकर)

3) Key statement:-

‡ Comparing the British with a beehive, he said that "if they are untouched, they will give us honey and if they are teased, they will kill by biting".

‡ It was advised to Siraj-ud-Daulah that "never trust the British and drive them out of Bengal as soon as he get a chance".

‡ "At this time it is difficult to put out the fire on the earth, if the flames start coming out of the sea too, then who will be able to pacify them"

3.3) Siraj-ud-Daulah (1756-57)

1) After Alvardi Khan, there was a successor conspiracy in the family, the result of which

- ‡ Siraj-ud-daula, son of Alvardi Khan's younger daughter, became the Nawab.
- ‡ Siraj's Enemies
  - Aunt Ghasiti Begum
  - Rajvallabh
  - Shaukat Jung (Nawab of Purnia)
- ‡ Other rebels
  - Amirchand (banker)
  - Mir Jafar (Commander)
  - Raidurlabh (Diwan)
  - Jagatseth (Businessman)

2) सिराज का कासिम बाजार व फोर्ट विलियम पर आक्रमण (जून 1756)

कारण :-

- सिराज के विरोधियों राजबल्लव व कृष्ण बल्लभ को अंग्रेजों द्वारा शरण
- फर्रुखसियर द्वारा 1717 में दिए गए दस्तक का अंग्रेजों द्वारा दुरुपयोग
- सिराज की आज्ञा के बिना अंग्रेजों द्वारा कलकत्ता की किलेबंदी

प्रभाव :-

- 4 जून 1756 नवाब द्वारा कासिम बाजार की अंग्रेजी बस्ती पर हमला
- 16 जून 1756 नवाब का फोर्ट विलियम पर आक्रमण तथा गवर्नर ड्रेक व अन्य अंग्रेज फुल्टा द्वीप भागे
- 20 जून 1756 कलकत्ता का नाम अलीनगर रखा
- हॉलवेल द्वारा काल कोठरी की घटना का वर्णन
- अक्टूबर 1756 सिराज ने शौक़तजंग को मनिहारी के युद्ध में पराजित किया

अंग्रेजों का पलटवार :-

- मद्रास से एडमिरल वाटसन व क्लाइव द्वारा कलकत्ता पर आक्रमण व पुनः अधिकार
- परिणाम : अलीनगर की संधि (9फरवरी 1757)

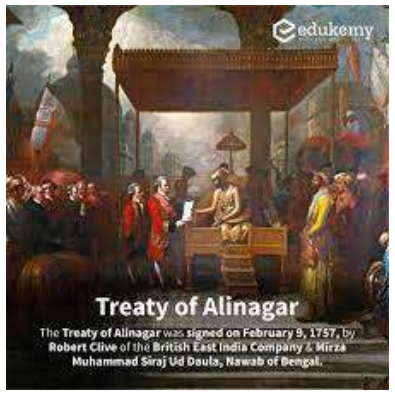

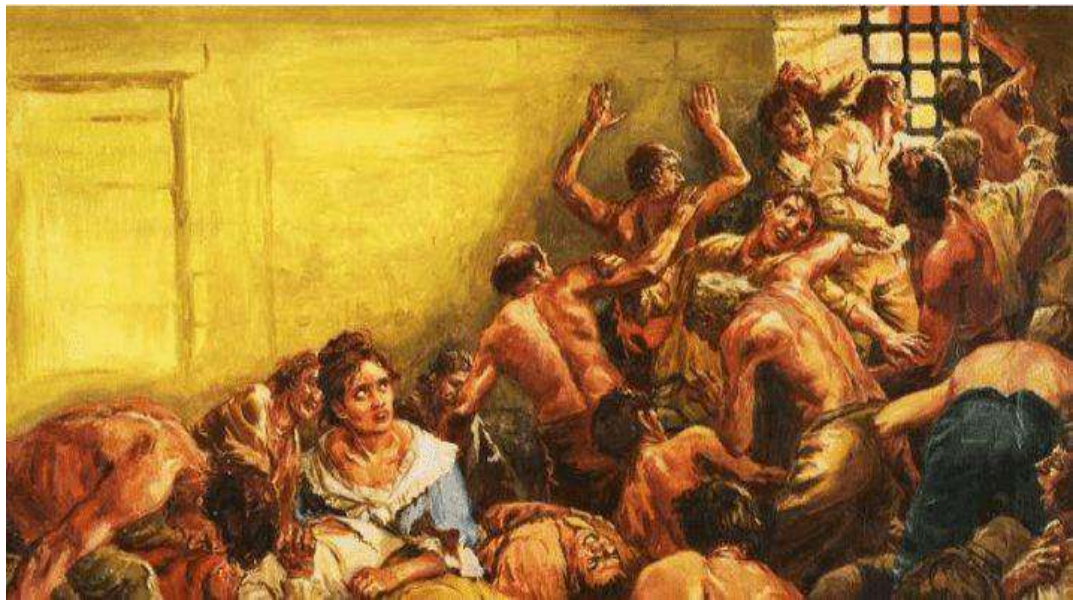

2) Siraj's attack on Qasim Bazar and Fort William (June 1756)

Reason :-

- Siraj's opponents Rajballav and Krishna Ballabh were given refuge by the British.
- Abuse of Dastak given by Farrukhsiyar in 1717 by British
- Fortification of Calcutta by British without permission of Siraj

Effect :-

- 4 June 1756 Nawab attacked the English settlement of Qasim Bazar
- 16 June 1756 Nawab's attack on Fort William and Governor Drake and other Britishers fled to Fulta Island
- 20 June 1756 Calcutta renamed as Alinagar
- Description of the Black Hole by Holwell
- On October 1756 Siraj defeated Shaukatjung at the Battle of Manihari

British counterattack:

- Invasion and recapture of Calcutta by Admiral Watson and Clive from Madras
- Result : Treaty of Alinagar (9 February 1757)

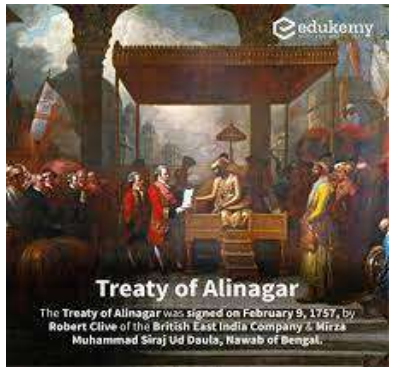

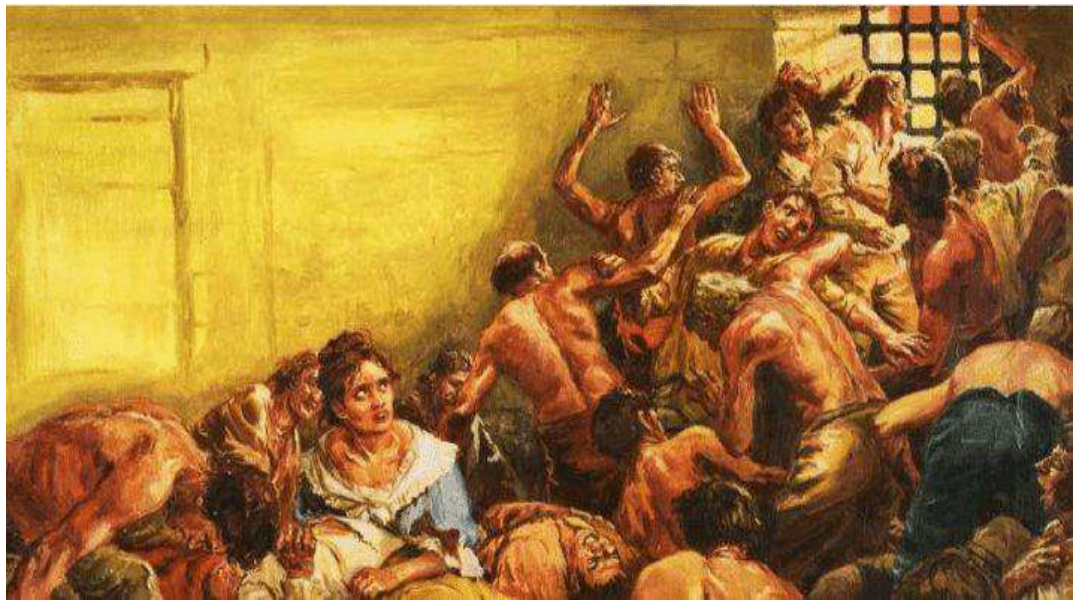

3) अलीनगर की संधि (9 फरवरी 1757)

- ‡ पक्ष - रॉबर्ट क्लाइव (अंग्रेज) व बंगाल नवाब सिराजुद्दौला
- ‡ कारण - अंग्रेजों द्वारा कलकत्ता पर पुनः अधिकार
- ‡ मुख्य प्रावधान -
  - “दस्तक” प्रयोग की पुनः अनुमति
  - अंग्रेज कलकत्ता की किलेबंदी अपनी इच्छा अनुसार करेंगे
  - अंग्रेजों को अपने सिक्के ढालने का अधिकार होगा
  - नवाब ने क्षतिपूर्ति के रूप में ₹3 लाख अंग्रेजों को दिए

NOTE

काल कोठरी की दुर्घटना का विवरण मि0 हॉलवेल ने 'एलाइव द वन्डर' (Alive the wondrs) नामक पुस्तक में दिया था। उसके अनुसार 146 अंग्रेज कैदियों को नवाब के आदेशानुसार 18 फीट लम्बी और 14 फीट 10 इंच चौड़ी एक अँधेरी कोठरी में 20 जून, 1756 ई0 की रात को बन्द कर दिया गया। जून की गर्मी के कारण 21 जून, 1756 ई0 की सुबह उनमें से 123 व्यक्ति दम घुटने से मर गये और केवल 23 व्यक्ति शेष बचे जिन्हें नवाब ने बाद में अंग्रेजों को वापस कर दिया

परंतु आधुनिक इतिहासकार इस घटना की सत्यता में विश्वास नहीं करते, अंग्रेजों ने इस घटना को बहुत बड़ा चढ़ाकर बताया है संभवत उनका एकमात्र लक्ष्य सिराजुद्दौला को एक क्रूर नवाब के रूप में सिद्ध करने का था

3) Treaty of Alinagar (9 February 1757)

- ‡ Side - Robert Clive (English) and Bengal Nawab Sirajuddaula
- ‡ Cause - British recapture of Calcutta
- ‡ Main Provisions -
  - Re-permission to use “Dastak“
  - The British will do the fortifications of Calcutta as per their wish.
  - The British will have the right to mint their own coins
  - Nawab gave ₹ 3 lakh to the British as compensation

NOTE

The details of the black hole tragedy were given by Mr. Holwell in the book 'Alive the wonders'. According to him, 146 British prisoners were imprisoned on the night of June 20, 1756, in a 18 feet long and 14 feet 10 inches wide dark cell on the orders of the Nawab. Due to the June heat, on the morning of June 21, 1756, 123 of them died of suffocation and only 23 remained, who were later returned to the British by the Nawab.

But modern historians do not believe in the authenticity of this incident, the British have told this incident in a big way, probably their only goal was to prove Siraj-ud-daula as a cruel Nawab.

4) अंग्रेजों का षड्यंत्र

1) रॉबर्ट क्लाइव ने अलीनगर की संधि के बाद भी बंगाल पर अंग्रेजी आधिपत्य स्थापित करने हेतु नवाब के दरबारियों से संधि करके सिराज के विरुद्ध षड्यंत्र रचा
2) अमीचंद ने क्लाइव से नवाब के खजाने से धन का 50% और 30लाख रूपए कमीशन के रूप में लेना तय किया
3) क्लाइव अमीचंद को इतना अधिक धन नहीं देना चाहता था अतः उसने मीरजाफर से होने वाली संधि के दो संधि पत्र एक वास्तविक तथा दूसरा जाली तैयार कराया सफेद कागज पर लिखा हुआ संधि पत्र वास्तविक तथा लाल कागज पर लिखा हुआ पत्र जाली था।
4) वास्तविक सन्धि-पत्र में मीरजाफर ने अंग्रेजों को निम्नलिखित सुविधाएँ देने का वचन दिया :-

- ‡ कम्पनी को हर प्रकार की व्यापारिक सुविधा
- ‡ कलकत्ता पर वह उनका पूरा अधिकार मान लेगा।
- ‡ ढाका और कासिमबाजार में दुर्ग-निर्माण का अधिकार
- ‡ कम्पनी को कलकत्ता के पास 24 परगनों की जमींदारी
- ‡ क्लाइव और कम्पनी के अन्य पदाधिकारियों को पर्याप्त धन देगा।

के0 एम0 पणिक्कर ने इस संधि के विषय में कहा है कि *"यह ऐसा सौदा था, जिसमें बंगाल के सेठों तथा मीरजाफर ने नवाब और नवाबी को अंग्रेजों के हाथों बेंच दिया।*

4) Conspiracy of the British

1) Robert Clive conspired against Siraj by making a treaty with the Nawab's courtiers to establish British rule over Bengal even after the Treaty of Alinagar.
2) Amichand decided to take 50% of the money from the Nawab's treasury and 30 lakhs as commission from Clive.
3) Clive did not want to give so much money to Amichand, so he got two treaty papers, for the treaty to be signed with Mirzafar, one genuine and the other forged, the letter written on white paper was real and the letter written on red paper was forged.
4) In the original treaty, Mir Jafar promised to provide the following facilities to the British:

- ‡ All kinds of trade facilities to the company
- ‡ He would accept their full authority over Calcutta.
- ‡ Autority of fortifications in Dhaka and Kasim bazar
- ‡ Company got Zamindari of 24 parganas near Calcutta
- ‡ Sufficient money to Clive and other officials of the company.

KM Panikkar has said about this treaty that

"It was such a deal in which the Seths of Bengal and Mir Jafar sold the Nawab and Nawabi to the British."

5) प्लासी का युद्ध (23 जून 1757)

भारत में ब्रिटिश शासन की नींव बंगाल में पड़ी बंगाल पर अपनी सत्ता की स्थापना करने हेतु ईस्ट इंडिया कंपनी को प्लासी का युद्ध लड़ना पड़ा

5) Battle of Plassey (23 June 1757)

The Foundation of British rule in India lay in Bengal. East India Company had to fight the Battle of Plassey to establish its power over Bengal.

5.1) कारण

कारण

1) अलीनगर की अपमानजनक संधि तथा क्लाइव द्वारा नवाब पर इसके उल्लंघन का आरोप
2) अंग्रेजों ने षड्यंत्र के द्वारा नवाब के प्रमुख अधिकारियों को अपने पक्ष में किया
3) अंग्रेजों द्वारा दस्तक का दुरुपयोग
4) अंग्रेजों द्वारा नवाब की अनुमति के बिना किलेबंदी करना
5) नवाब का कासिम बाजार, फोर्ट विलियम पर अधिकार तथा ब्लैक होल
6) अलीनगर की संधि के बाद भी अंग्रेजों का चंद्र नगर पर अधिकार
7) **सिराजुद्दौला की अदूरदर्शिता** :- डॉ. आर. सी. मजूमदार ने लिखा है कि "यदि नवाब ने शीघ्रता से कार्य करके मीरजाफर को बन्दी बना लिया होता तो अन्य षडयन्त्रकारी स्वयं ही आतंकित हो जाते तथा षड्यन्त्र पूर्ण रूप से असफल हो गया होता, किन्तु नवाब के साहस ने उसका साथ छोड़ दिया। किसी सख्त कार्यवाही के स्थान पर वह स्वयं मीरजाफर से भेंट करने उसके निवास पर गया और अलीवर्दी के नाम दयनीय मिन्नतें कीं।"

5.1) Reason

Reason

1) Humiliating treaty of Alinagar and accusation of its violation on Nawab by Clive.
2) British conspired against nawab by making their leading officer in their favor.
3) Abuse of Dastak by the British
4) Fortification by British without the permission of Nawab.
5) Nawab's possession of Qasim Bazar, Fort William and Black Hole
6) Even after the Treaty of Alinagar, the British had the authority over Chandra Nagar.
7) The short-sightedness of Siraj-ud-Daula :- Dr. R. C. Mazumdar has written that "If the Nawab had acted quickly and had taken Mir Jafar prisoner, then the other conspirators would have been themselves terrorized and the conspiracy would have been a complete failure, but the courage of Nawab left his side. Instead of taking any strict action, he himself went to meet Mir Jafar at his residence and made pitiful pleas in the name of Alivardi".

5.2) महत्वपूर्ण घटनाएं

23 जून 1757 को भागीरथी नदी के तट पर स्थित प्लासी में युद्ध

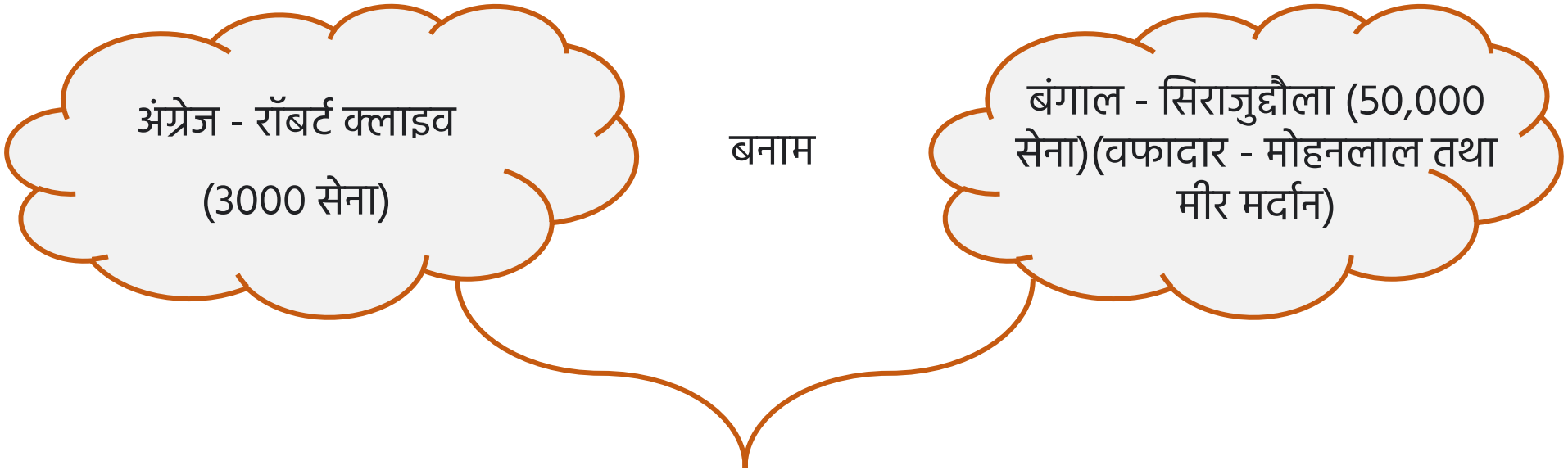

- अंग्रेजों की विजय
- मीर जाफर को अंग्रेजों ने बंगाल का कठपुतली नवाब बनाया
- मीरन द्वारा की सिराजुद्दौला हत्या

5.2) Important Events

On 23 June 1757 Battle of Plassey on the bank of river Bhagirathi

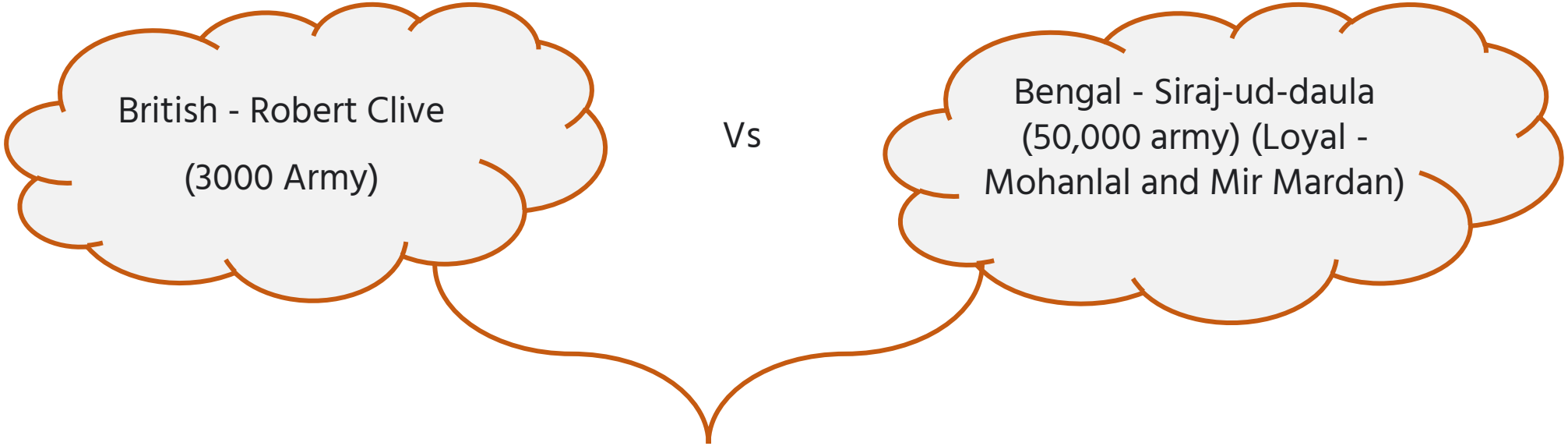

Result

- Victory of British
- Mir Jafar was made a puppet Nawab of Bengal by British.
- Meeran murdered Siraj-ud-Daulah.

5.3) प्लासी युद्ध का महत्व/ परिणाम

यद्यपि अंग्रेजों ने यह युद्ध धोखे से जीता था फिर भी निम्नलिखित कारणों से एडमिरल वाटसन ने इस युद्ध को ब्रिटिश राष्ट्र के लिए असाधारण महत्व का बताया :-

1) राजनीतिक परिणाम

- भारत में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना
- कर्नाटक युद्ध में विजय तथा फ्रांसीसियों का पतन
- कंपनी द्वारा बंगाल में कठपुतली नवाबों(मीर जाफर, मीर कासिम) की नियुक्ति
- बक्सर के युद्ध की आधारशिला
- रॉबर्ट क्लाइव को ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक तथा स्वर्ग से उत्पन्न सेनानायक (विलियम पिट) कहा गया

5.3) Significance / Consequences of the Battle of Plassey

Although the British won this war by deceit, Admiral Watson described this war as of extraordinary importance to the British nation due to the following reasons:-

1) Political Consequences

- Establishment of British power in India
- Victory in the Carnatic War and the Fall of the French
- Puppet Nawabs (Mir Jafar, Mir Qasim) appointed by the Company in Bengal
- Foundation stone of the battle of Buxar
- Robert Clive was called the founder of the British Empire and the general born from heaven (William Pitt).

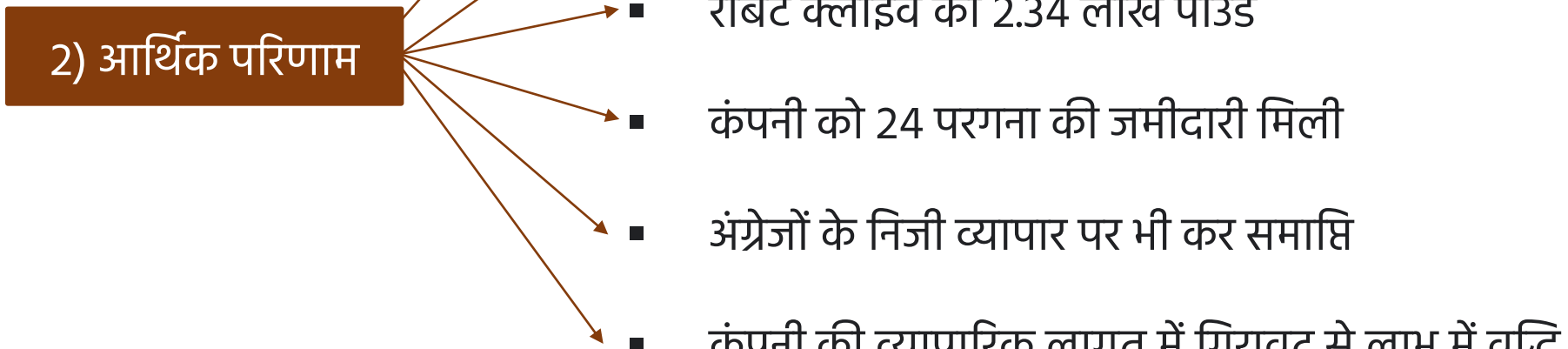

उपरोक्त प्रभावों से स्पष्ट है कि प्लासी युद्ध ने परिवर्तनों की लंबी प्रक्रिया आरंभ की जिसमें अंग्रेजों के लिए संपूर्ण भारत विजय का मार्ग प्रशस्त कर दिया

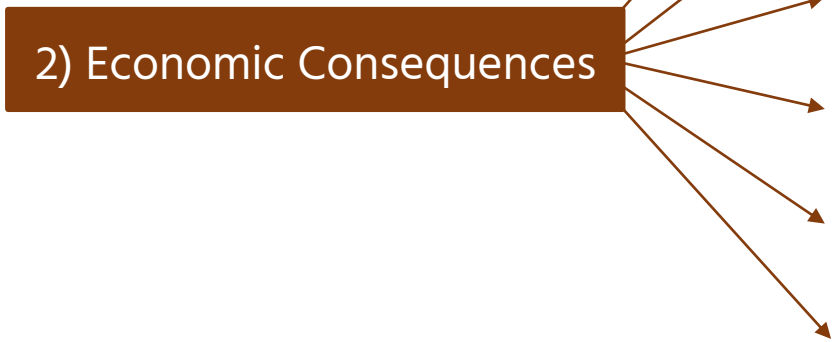

- Economic plight of bengal
- Received 5.5 million pounds as war compensation
- 2.34 lakh pounds to Robert Clive
- Company got Zamindari of 24 Parganas
- Abolition of tax on private trade of British
- Decrease in trading cost of company result in Increase of profit

It is clear from the above effects that the Battle of Plassey started a long process of changes which paved the way of the conquest of entire India for the British .

5.4) महत्वपूर्ण कथन

1) एडमिरल वाटसन :- प्लासी का युद्ध कंपनी के लिए ही नहीं अपितु सामान्य रूप से ब्रिटिश जाति के लिए असाधारण महत्व रखता है

2) सरकार एंड दत्ता :- प्लासी के युद्ध की विजय का नैतिक प्रभाव बहुत अधिक था एक विदेशी कंपनी के द्वारा एक प्रांतीय सूबेदार को अपमानित किए जाने से कंपनी की शक्ति तथा गौरव में असाधारण वृद्धि कर दी

3) मालसेन :- कोई ऐसा युद्ध नहीं हुआ जिसके तत्कालिक तथा स्थाई परिणाम इतने महत्वपूर्ण हुए हो जितने प्लासी के युद्ध के

4) ताराचंद :- प्लासी के युद्ध ने परिवर्तनों की लंबी प्रक्रिया आरंभ की जिसने भारत का स्वरुप बदल दिया सदियों से प्रचलित आर्थिक और शासकीय व्यवस्था बदल गई

5) श्री नवीन चंद्र सेन :- प्लासी की लड़ाई के बाद भारत में अनंत अंधकारमयी रात्रि आरंभ हो गई

6) सर जदुनाथ सरकार :- 23 जून 1757 को भारत में मध्यकालीन युग का अंत हो गया और आधुनिक युग का शुभारंभ हुआ

5.4) Important Statements

1) Admiral Watson :- The Battle of Plassey is of extraordinary importance not only to the Company but to the British race in general.
2) Sarkar & Dutta: - The moral effect of the victory of the Battle of Plassey was enormous. Humiliation of a provincial subedar by a foreign company increased the company's power and glory in an extraordinary way.
3) Malsen:- There has never been such a war whose immediate and permanent results have been as important as battle of Plassey.
4) Tarachand :- Battle of Plassey started a long process of changes which changed the nature of India , and changed the economic and administrative system prevailing from centuries.
5) Shri Navin Chandra Sen:- After the battle of Plassey, the endless dark night started in India.
6) Sir Jadunath Sarkar:- On 23 June 1757, the medieval era ended in India and the modern era began.